उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा, 2025

अर्थशास्त्र (ECONOMICS)

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

PREVIOUS YEAR

SHORT QUESTIONS-ASNWER

1.मांग की कीमत लोच से आप क्या समझते हैं? यह कितने प्रकार की होती है?

उत्तर: मांग की लोच का अर्थ

किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन के फलस्वरूप उसकी मांग में जो परिवर्तन होता है, उसकी मांग की मूल्य लोच या कीमत की लोच कहते हैं।

मांग लोच की पांच श्रेणियों होती है:

1. सापेक्षता लोचदार मांग
2. सापेक्षता बेलोचदार मांग
3. इकाई लोचदार मांग
4. पूर्णतः बेलोचदार मांग
5. पूर्णतः लोचदार मांग

2. परिवर्तनशील तथा स्थिर लागतों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: **कुल स्थिर लागत (Total Fixed Cost) - TFC**

स्थिर लागत उस कुल खर्च का जोड़ है जो उत्पादक उत्पादन के स्थिर साधनों की सेवाओं को खरीदने या भाड़े पर लेने के लिए खर्च करनी पड़ती है।

स्थिर लागत उत्पादन के आकार से अप्रभावित रहती है।

TFC = TC - TVC

कुल परिवर्तनशील लागत (Total Variable Cost) - TVC

परिवर्तनशील लागत वह लागत है जो उत्पादन को उत्पादन के घटते बढ़ते साधनों के प्रयोग के लिए खर्च करनी पड़ती है।

परिवर्तनशील लागत का आकार उत्पादन की मात्रा पर निर्भर करता है।

3. उदासीनता वक्र विश्लेषण की विशेषताएं बताइए।

उत्तर: उदासीनता वक्रों को प्रकृति/ विशेषताएं:

1. उदासीनता वक्र बाएं से दाएं नीचे की ओर गिरता हुआ होता है
2. उदासीनता वक्र मूल बिंदू की ओर उन्नतोदर होते हैं
3. दो उदासीनता वक्र एक दूसरे को काटते
4. ऊंचे उदासीनता वक्र संतुष्टि के ऊंचे स्तर को व्यक्त करते हैं

4. प्रत्यक्ष कर को परिभाषित कीजिए । इसके गुण - दोष स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: प्रत्यक्ष कर एक मूल्यांकन है जो एक व्यक्ति या संघ उस संस्था को सीधे भुगतान करता है जिसने इसे लगाया था। उदाहरण एक एकल नागरिक, संपत्ति कर, व्यक्तिगत संपत्ति कर, संपत्ति पर कर और आयकर

प्रत्यक्ष करों के लाभ:

- वे प्रगतिशील प्रकृति के होते हैं।
- अच्छी तरह से परिभाषित होते हैं
- आर्थिक स्थितियों को प्रबंधित करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में काम

प्रत्यक्ष करों के दोष:

- काम और निवेश के प्रति हतोत्साहन
- कर चोरी की संभावना
- बचत पर प्रभाव

5. भारतीय रिज़र्व बैंक की साख नियंत्रण रीतियों की विवेचना कीजिए। अथवा केंद्रीय बैंक के परिमाणात्मक साख नियंत्रण उपाय की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: बैंक दर नीति (Bank Rate Policy)

बैंक दर वह दर है जिसपर केंद्रीय बैंक सदस्य बैंको के प्रथम श्रेणी के व्यापारिक बिलों की पुन:कटौती करता है और उन्हें ऋण देता है

खुले बाजार की क्रियाएं (Open Market Operations)

साथ नियंत्रण में खुले बाजार की क्रि याओं से अभिप्राय केंद्रीय बैंक द्‍वारा मुद्रा बाजार में सरकारी एवं निजी संस्थाओं की प्रतिभूतियों के क्रय विक्रय से होता है।

नकद कोष अनुपात (Cash Reserve Ratio)

उस नकद को अनुपात वह अनुपात है जिसमें प्रत्येक व्यापारिक बैंक को अपनी जमा राशि का एक निश्चित प्रतिशत कानूनी रूप से केंद्रीय बैंक के पास नकद कोष के रूप में जमा करना पड़ता है। इसे न्यूनतम नकद कोष भी कहा जाता है।

6. सरकारी बजट की राजस्व प्राप्तियों तथा पूंजीगत प्राप्तियों में अंतर बताइए। प्रत्येक के दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर: राजस्व प्राप्तियाँ (Revenue Receipts)

राजस्व प्राप्तियों को उन प्राप्तियों के रूप में जाना जा सकता है जो **न तो कोई जोखिम या दायित्व लाती** हैं और **न ही सार्वजनिक प्राधिकरण के संसाधनों में कोई कमी** लाती हैं। वे प्रकृति में आवर्ती और नियमित होते हैं

पूंजीगत प्राप्तियाँ (Capital Expenditure):

पूंजीगत प्राप्तियाँ वे प्राप्तियाँ होंगी **जो देनदारियाँ बनाती हैं** या **मौद्रिक संसाधनों को कम** करती हैं। वे आने वाले नकदी प्रवाह का भी संकेत देते हैं। पूंजीगत प्राप्तियाँ ऋण प्राप्तियाँ और गैर-ऋण प्राप्तियाँ दोनों हो सकती हैं।

जैसे: उधार, विनिवेश, ऋणों की वसूली

7. चित्र सहित सीमांत आगम और औसत आगम के संबंधों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर:

औसत आगम (AR) तथा सीमांत आगम (MR) के बीच संबंध

1. यदि औसत आगम (AR) समान या स्थिर है तब AR=MR (पूर्ण प्रतियोगिता की दशा में)
2. यदि AR घट रहा है तब AR>MR (यह स्थिति एकाधिकार तथा एकाधिकारी प्रतियोगिता की दशा में)
3. MR ऋणात्मक हो सकता है, परन्तु AR नहीं। औसत आय आय आगम (AR) वस्तु की प्रति इकाई कीमत को कहते है जो कभी भी ऋणात्मक नहीं हो सकती।

8.सीमांत उपयोगिता का अर्थ बताईये? सीमांत उपयोगिता विश्लेषण का प्रयोग करके उपभोक्ता संतुलन की शर्तें लिखिए।

उत्तर: सीमांत उपयोगिता (Marginal Utility)

सीमांत शब्द का अर्थ है - एक अतिरिक्त।

किसी वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई के उपभोग से जो अतिरिक्त उपयोगिता मिलती है उसे सीमांत उपयोगिता कहते हैं।

सीमांत उपयोगिता विश्लेषण का इस्तेमाल करके उपभोक्ता संतुलन की शर्तें इस प्रकार हैं:

- सम-सीमांत उपयोगिता के नियम के मुताबिक, उपभोक्ता तब संतुलन में होगा जब किसी वस्तु की सीमांत उपयोगिता और उसकी कीमत का अनुपात, दूसरी वस्तु की सीमांत उपयोगिता और उसकी कीमत के अनुपात के बराबर होगा.
- उपभोक्ता संतुलन में, पैसे की सीमांत उपयोगिता का रुपया मूल्य अच्छे एक्स और अच्छे वाई में समान होना चाहिए.
- उपभोक्ता संतुलन में, सीमांत उपयोगिता (पैसे के संदर्भ में) वस्तु के लिए चुकाई गई कीमत 'X' के बराबर होगी यानी MUx = PX.

9. एक कारक के प्रतिफल से क्या अभिप्राय है व्याख्या कीजिये?

उत्तर:

एक साधन परिवर्तन अनुपात का नियम

अल्पकाल में जब फर्म उत्पत्ति के कुछ साधनों को स्थिर रखकर अन्य साधनों की मात्रा में परिवर्तन करती है, तब उत्पादन की मात्रा में जो परिवर्तन होते हैं उन्हें उत्पत्ति के नियमों के नाम से जाना जाता है।

उत्पत्ति के यह नियम तीन होते हैं:

1. साधन के बढते प्रतिफल अथवा उत्पत्ति वृद्धि नियम
2. साधन के स्थिर प्रतिफल अथवा उत्पत्ति समता नियम
3. साधन के घटते प्रतिफल अथवा उत्पत्ति ह्रास नियम

10. कुल आगम और कुल लागत विधि द्वारा फर्म का संतुलन कैसे निर्धारित होता है?

उत्तर:

कुल आगम एवं कुल लागत वक्र रीति द्वारा उत्पादक का संतुलन

इस रीति में उत्पादन के भिन्न भिन्न स्तरों पर कुल आगम एवं कुल लागत का अंतर ज्ञात किया जाता है। कुल लागम और कुल लागत का अंतर कुल लाभ को बताता है।

लाभ = कुल आगम - कुल लागत

उत्पादन के अलग अलग स्तरों पर TR तथा TC का अंतर अलग अलग होता है। एक उत्पादक का कुल लाभ तभी अधिकतम होता है जब TR तथा TC का अंतर अधिकतम हो।

अतः, उत्पादक का संतुलन उत्पादन के उस स्तर पर होता है जब कुल आगम एवं कुल लागत का अंतर अधिकतम हो जाए।

11. स्फीतिक अंतराल एवं अवस्फीतिक अंतराल में अंतर बताइए?

उत्तर: स्फीतिक अंतराल, मांग में ज़्यादा होने को कहते हैं, जबकि अवस्फीतिक अंतराल, कीमतों में कमी आने को कहते हैं.

स्फीतिक अंतराल से मुद्रास्फीति होती है, जबकि अवस्फीतिक अंतराल से अपस्फीति होती है.

स्फीतिक अंतराल और अवस्फीतिक अंतराल में अंतर:

- स्फीतिक अंतराल, मांग में ज़्यादा होने को कहते हैं, जबकि अवस्फीतिक अंतराल, कीमतों में कमी आने को कहते हैं.
- स्फीतिक अंतराल से मुद्रास्फीति होती है, जबकि अवस्फीतिक अंतराल से अपस्फीति होती है.
- स्फीतिक अंतराल, मांग आधिक्य और कीमत में वृद्धि को दिखाता है.
- अवस्फीति, उत्पादों की कीमतों में कमी और पैसे के मूल्य में बढ़ोतरी को कहते हैं.

12. प्रत्यक्ष कर और अप्रत्यक्ष कर क्या हैं? प्रत्येक के दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर:

प्रत्यक्ष कर (Direct Tax):

प्रत्यक्ष कर एक मूल्यांकन है जो एक व्यक्ति या संघ उस संस्था को सीधे भुगतान करता है जिसने इसे लगाया था। उदाहरण के लिए, एक एकल नागरिक, संपत्ति कर, व्यक्तिगत संपत्ति कर, संपत्ति पर कर और आयकर

अप्रत्यक्ष कर (Indirect Tax)

अप्रत्यक्ष कर एक ऐसा व्यय है जो उत्पादों और सेवाओं पर ग्राहक तक पहुंचने से पहले लगाया जाता है, जो अंततः खरीदी गई सेवाओं या वस्तुओं की बाजार लागत या बाजार मूल्य के एक हिस्से के रूप में अप्रत्यक्ष कर का भुगतान करता है।

13. औसत लागत एवं सीमांत लागत के संबंध को चित्र सहित समझाइए।

उत्तर: औसत लागत (AC) एवं सीमांत लागत (MC) में संबंध

- औसत लागत (AC) एवं सीमांत लागत (MC) दोनों की गणना कुल लागत (TC) द्वारा की जाती है।

$$AC = \frac{TC}{Q}$$

$$MC = \frac{\Delta TC}{\Delta Q}$$

- जब औसत लागत वक्र गिरता है, तब सीमांत लागत वक्र एक सीमा तक गिरता है, किंतु एक अवस्था के बाद सीमांत लागत भाग बढ़ना आरंभ हो जाता है। (MC < AC)
- जब औसत लागत न्यूनतम होती है, तब सीमांत लागत वक्र औसत वक्र को नीचे से काटता है। अर्थात न्यूनतम औसत लागत सीमांत लागत के बराबर होती है। (MC = AC)
- जब औसत लागत बढ़ता है तो सीमांत लागत वक्र औसत लागत से ऊपर होते है एवं साथ ही साथ औसत लागत से 30 गति से बढ़ता है। (MC > AC)

14. पूर्ति अनुसूची तथा पूर्ति वक्र को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: **पूर्ति तालिका (Supply Schedule)**

विभिन्न कीमतों पर बाजार में वस्तु की बेची जाने वाली मात्राओं को यदि तालिका में व्यक्त कर दिया जाए तो इससे पूर्ति तालिका कहते हैं।

वस्तु की कीमत प्रति इकाई (₹)	पूर्ति मात्रा (Q)
2	10
4	20
6	30
8	40
10	50

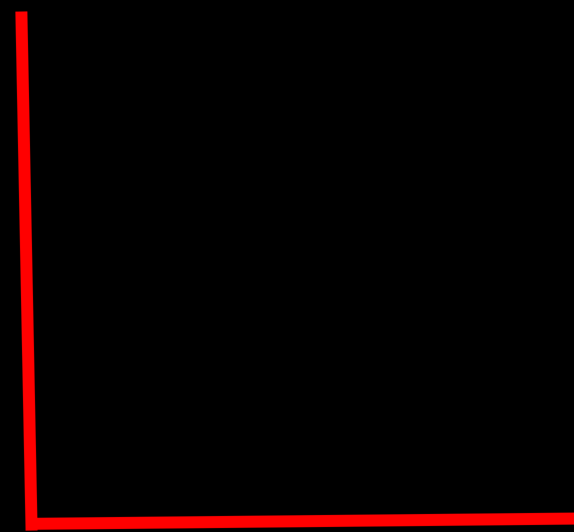

पूर्ति वक्र (Supply Curve)

पूर्ति तालिका का वक्र के माध्यम से प्रदर्शित करना पूर्ति व कहलाता है।

15. पूर्ण रोजगार की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: पूर्ण रोज़गार की अवधारणा का मतलब है कि अर्थव्यवस्था में सभी पात्र और इच्छुक लोगों को रोज़गार मिल रहा हो. इस स्थिति में बेरोज़गारी दर सबसे कम होती है और अर्थव्यवस्था अपनी अधिकतम उत्पादक क्षमता पर काम कर रही होती है.

पूर्ण रोज़गार की अवधारणा से जुड़ी कुछ खास बातें:

- पूर्ण रोज़गार में चक्रीय या कमी वाली बेरोज़गारी नहीं होती.
- पूर्ण रोज़गार में कुल मांग और कुल पूर्ति बराबर होती है.
- पूर्ण रोज़गार में अनैच्छिक बेरोज़गारी नहीं होती.
- पूर्ण रोज़गार की स्थिति में अर्थव्यवस्था अपनी अधिकतम उत्पादक क्षमता पर काम कर रही होती है.
- पूर्ण रोज़गार की स्थिति में अर्थव्यवस्था में संसाधनों का पूरा इस्तेमाल हो रहा होता है.

16.सीमांत उपभोग प्रवृत्ति किसे कहते हैं? यह किस प्रकार सीमांत बचत प्रवृति से संबंधित है?

उत्तर: **सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (Marginal Propensity to Consume)**

आय में होने वाले परिवर्तन से उपभोग में होने वाले परिवर्तन में आनुपातिक संबंध को सीमांत उपभोग प्रवृत्ति कहते है।

पीटरसन के अनुसार, **"सीमांत उपभोग प्रवृत्ति से हमारा अभिप्राय आय में परिवर्तन से प्रेरित उपभोग व्यय से है"।**

MPC= ΔC / ΔY

सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (एमपीसी) और सीमांत बचत प्रवृत्ति (एमपीएस) का योग हमेशा 1 के बराबर होता है. इसका मतलब है कि किसी व्यक्ति की आय का जो हिस्सा उपभोग पर खर्च होता है, वह हिस्सा जो बचत पर खर्च नहीं होता, उसका योग हमेशा 1 होता है.

17. सरकारी बजट के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

उत्तर: सरकारी बजट के उद्देश्य

संसाधनों का पुनर्आबंटन - यह देश के सामाजिक और आर्थिक लाभों को ध्यान में रखते हुए संसाधनों को वितरित करने में मदद करता है। संसाधनों के आवंटन को प्रभावित करने वाले कारक हैं:

भत्ता या कर रियायतें - सरकार निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए निर्माताओं को भत्ता और कर रियायतें देती है।

वस्तुओं और सेवाओं का प्रत्यक्ष उत्पादन - यदि निजी क्षेत्र रुचि नहीं दिखाता है तो सरकार सीधे उत्पादन प्रक्रिया अपना सकती है।

आय और संपत्ति में असमानता को कम करना - किसी भी आर्थिक व्यवस्था में आय और संपत्ति में असमानता एक अभिन्न अंग है। इसलिए, सरकार का लक्ष्य अभिजात वर्ग पर कर लगाकर और गरीबों की भलाई पर अतिरिक्त खर्च करके समानता लाना है।

18. निवेश गुणक के कार्यकरण को उदाहरण देकर समझाइए। अथवा निवेश गुणक से आप क्या समझते हैं, इसकी गणना कैसे की जाती है उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर: अर्थव्यवस्था में जब कोई स्वायत्त निवेश किया जाता है तब आय में केवल निवेश के आकार में वृद्धि नहीं होती, बल्कि आय में निवेश के कई गुना अधिक वृद्धि होती है।

निवेश की तुलना में आय में जीतने गुना वृद्धि होती है, उसे निवेश गुणक कहते हैं।

उदाहरण: यदि किसी अर्थव्यवस्था में ₹10 करोड़ का प्रारंभिक निवेश करने से आय में अंतिम वृद्धि ₹ 60 करोड़ की है तो गुणक की गणना कीजिए।

19. विदेशी विनिमय बाजार किसे कहते हैं स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: वह बाजार जिसमे संसार के विभिन्न देशों की राष्ट्रीय मुद्राओं का लेन देन (क्रय - विक्रय) किया जाता है ।

यह विदेशी मुद्रा की खरीद व् बिक्री का एक संस्थागत प्रबंध है ।

विदेशी मुद्रा बाज़ार के कार्य

स्थानांतरण कार्य

क्रेडिट फ़ंक्शन

हेजिंग कार्य

20. समग्र मांग के प्रमुख घटकों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: एक अर्थव्यवस्था में वस्तुओं और सेवाओं की संपूर्ण मांग को ही सामूहिक मांग कहा जाता है। और यह अर्थव्यवस्था के कुल व्यय के रूप में व्यक्त की जाती है।

सामूहिक मांग की माप अथवा सामूहिक मांग के घटक

सामूहिक मांग = उपभोग+ निवेश + सरकारी व्यय + (निर्यात - आयत)

$$AD = C + I + G + (X-M)$$

C- घरेलू उपभोग व्यय

I - निजी एवं सार्वजनिक निवेश

G - सरकारी उपभोग व्यय

X-M = शुद्ध निर्यात (निर्यात - आयात)

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

LIKE AND SHARE The Video

SUBSCRBE THE CHANNEL

THE ECONOMICS GURU

FOLLOW ME ON INSTAGRAM / @theeconomicsguru

FOLLOW ME ON FACEBOOK / NAKUL DHALI

For PDF visit my website: www.theeconomicsguru.com